

四四四四四、三三、上上上、上上、上上上、上上
|| 上上上、上上上、上上上 || 上上上 || 上上上 || 上上上
|| || 上上上、上上上 || || 上上上 || 上上上
上上 || 上上、上上、上上 || 上上 || 上上、上上、上上
|| 上上上、上上上、上上上 || 上上、上上、上上、上上、上上、上上

上上上 || 上上上、上上上 || 上上 || 上上 || 上上上
上上上 || 上上上、上上上 || 上上 || 上上 || 上上上
上上上 || 上上 || 上上上、上上上 || 上上上
|| 上上上、上上上 || 上上上 || 上上上 || 上上上
上上上 || 上上上 || 上上上、上上上 || 上上上

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गङ्गा ॥ वृं वृं मव धूं ॥ सकरु ना वं दू नं ॥ नमो भू भू
व ना गङ्गा ॥ स स्व स दा वि रा य ॥ सार नु समा य न्ना
ममय ॥ स दू य ॥ स य न्ना न ॥ न ह हि हा रा व न्ना द
य ॥ अ दू ल ना ग म धि य नि ॥ ॐ हं जं धी प स्तान ॥ य
य ना लि भा य ॥ नि ग च्छ मि ॥ ना यं आ ग च्छ ॥ र र र तः ॥

ॐ आः न कि दू ज ३ न कि वा ज मू दा ॥ ॥ न न नी ली ज न ॥
थ न ॥ य य या य ॥ आ र्क य न पा या य स न्ना ॥ ॐ न न
ना ग गङ्गा य स दा ॥ ॐ वा स कि ना ग गङ्गा य स दा ॥
ॐ न दू क ना ग गङ्गा य स दा ॥ ॐ य न ना ग गङ्गा य स दा ॥
ॐ म दा य न ना ग गङ्गा य स दा ॥ ॐ र य या न ना ग गङ्गा

यस्यादा ॥ उं क कौ ट क ना ग रा जा य स्यादा ॥ उं वू ली क
ना ग रा जा य स्यादा ॥ यं था य दा यू जा - वा स्या सु मि ॥ ॥
ऊ ला धि य नी ना ग रा जा - स्य स्य दि नि य द मि न - स त्या
थ य स दा नि यं - य वू ना दि न मा सु न ॥ ॥ उं स च्च न थ
ग न का य वि ष्व ध न स्यादा ॥ जी य वं ष न दा य ॥ उं वूं ञां

डिं रं दं ॥ यं य ग य न दा य ॥ थ न द्वा स क न के न्य ॥ उं व
ऊ द यो - दा स्यादा ॥ थ न - इ द् - यं य म न दा य ॥ उं ञाः व
ऊ व वू ध र य धु वा द स च्च ना ग रा वि य ग य - स च्च वि द्ध र य
दं द ट स्यादा ॥ ॥ थ न - ऊ व सि मा वि य ॥ उं जी व ऊ स स्या
ञाः ३ ॥ थ न - वि दि स ध न ॥ उं ञाः स च्च वि दि य धु वा

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ धनः ॥ धनः ॥ ॐ ह्रीं ॥ गीत वृक्षमूः
श्वेदं वं का प्रदीपत रु लयमानं पुत्रवत्तं विरायः ॥ ॐ
सादभसि स्वधन ॥ ॐ ह्रीं ॥ संखत्रं वृक्षार ॥ ॥ गद
नृपल्लवदा गय ॥ ॥ ॐ वा प्रिये वृक्षार सादा ॥ वं लंग
सि ॥ ॐ वृक्षार वृक्षार सादा ॥ ३ विहि ॥ ॐ वृक्ष लंगार सादा ॥

पिवा सि ॥ ॐ वृक्ष वृक्षार सादा ॥ ॐ सि ॥ ॐ वृक्ष सद का
वार सादा ॥ ॐ म्व सि ॥ ॐ म्व गीत वृक्षार सादा ॥ वृक्ष ॥
ॐ वृक्ष वृक्ष सादा ॥ ३ वृक्ष वृक्ष ॥ ॐ स वृक्षार वृक्षार
सादा ॥ ॐ गीत ॥ ॐ वृक्ष वृक्ष सादा ॥ ॐ वृक्ष ॥ ॐ वृक्ष वृक्ष
वार सादा ॥ गीत ॥ ॐ वृक्ष वृक्षार सादा ॥ ॐ वृक्ष ॥ ॐ स

वोथ सिद्धय सादा ॥ नका ॥ ॐ आदध नह गाय सादा ॥ क्का
वध ॥ वशाध ॥ ममन ॥ ॐ वउ वाकार सादा ॥ गाय ॥
ॐ आः ॥ स्व उ वाव ॥ अन सा मि न स्व न दा ग य ॥ ॥
थन ॥ संखस ॥ इउ ॥ यं क र ॥ गाय ॥ अद्व न ॥ ग या द ॥ स्व मि
वा क न ॥ य थ मा दू नि ॥ शा शा व वृ धा द था ॥ अरु कू ल ना

भा धिर मि ॥ ॐ रु जां वा धिर सा न ॥ य ना दि भा रं नि ग कू
भा रं ॥ आ म कू २ र र रे वेः स्व सा दा ॥ ॥ यं वा व दा व यू
जा सु मि ॥ ॥ ॐ मि य थ मा दू नि ॥ ॥ न ना सा ना दू नि ॥
ॐ वं का प्र धा य न मा ल वं ॥ न द र वि रं का प्रा र वं ॥ व प्र ध
व र भ क मू र वं ॥ दि रु उं वृ क व र्ण ॥ स क र ना लं वृ र्ण

एक धुमिसमा धमा ॥ उं वं वृक्षमृश्व ॥ यत्र ह लयमानं छु
क वं उं विराया ॥ यत्रैव विमाद्य ॥ मूलमन्त्र धाद्रु या न ॥
उथं जं स्वसुद्र ॥ नाय ॥ आदग ॥ यं यन ले ॥ लंघमनया
आदु मि विर ॥ क प्र स थिय क ॥ यं वाय दात्र यू ज्ञा सु
मि ॥ ॐ मि ह नाद्रु मि ॥ X ॥ धन ॥ धन्दी लेयू जा ॥

दश क्रमेशाय ॥ गुत्रुमकुल ॥ यं य वि ॥ नागद गुनी
धून काडा ॥ धूय ॥ जाय ॥ नी लाऊन ॥ म अ स ॥ अ
न ॥ उठि या का प्र ध ॥ गु नं रात्र य न ॥ उ गु न्य ना ह
न व ऊ म्या रा वा स का इ हं ॥ यं ले नं ले स र न ॥ कि
या मि उ लाव वि रा व नि ॥ म धु प्राय वि ॥ ग का व जा

किं ॥ सकलसमुद्र ॥ यत्रितानि ॥ समयसत्वं विहाय
 ह्यनसत्त्वं ॥ गगनदयवम् ॥ याडायुषं न्यास ॥ मधु ॥ इव
 धारयादा ॥ ३ ॥ पंचायदायुःसुमि ॥ ॥ उलाघिप
 णिनामनाडा ॥ ह्यसदिद्रुयवकि ॥ ॥ कसलसुमदा
 मकुं वव्रुधायनमासुगे ॥ धमने ॥ उवकुवव्रुधे

नंदे ॥ अत्र १०८ ॥ अन्ननमस्तु नाना कृतवदां लंघ त्रिज
य ॥ वत्रि ॥ उं वउ ववू धीः अन्नकृत २२ गवमनूषा नां
दिगा धायः शिद्यदूत्र खादा ॥ गायः अन्नकृत ॥ यकि
य ॥ रुकि ॥ गायुदास ॥ रीयगु ॥ गवउ ॥ गायः अ
न्नकृत ॥ वीउ ॥ रुत्र ॥ अन्न ॥ रुटकि ॥ अथ वा कण्डक

उ ॥ वूय ॥ वूनादा ॥ वीगधीषधु ॥ खा ॥ ल्वयू ॥ वक्त
ल्वयू ॥ १ ॥ धन ॥ यवस ॥ अन्नकृत नाग ॥ नीलवर्धू
वीउ ॥ वल ॥ नीत्र ॥ अन्न ॥ रुत्र ॥ गुगुत्री ॥ वूय ॥ उन्न
कृत नाग गाजा ॥ अन्नकृत २२ गवमनूषा नां ॥ दिगा
धाय गीघं आग रुट्ट खादा ॥ धन ॥ अन्न ॥ उन्न

कृता गजा न हि नृजसदृशमकरोरिद्रुः सुदानं
विश्रया ॥ आकषं पादायुष्य न्यास ॥ उं पून कारयदा ॥
॥ ३ ॥ यूजा ॥ नीलवन्दनं नमः । नीलवन्दनं नमः । नी
लवन्दनं नमः ॥ पंथाय दायुजा सुमि ॥ उं उ वासिप मिः
स्य स्य दिद्रु यं वस्तिने ॥ कमलरुम दागं उः पून

कारयनमः सुम ॥ जाय ॥ उं पून कारयदं नं दं स्वादा ॥ ॥
॥ १०८ ॥ वरी ॥ उं पून नकुल वलः निडल नात्र
०० रुजां वादीय दं नं दं स्वादा ॥ २ ॥ दक्षिः ॥
यज्ञ नाग ॥ पून वरुः वीजः यूष्य वागः वलः ॥ वरुः
डादा ॥ वूरुः वीलः ॥ उं यज्ञ नाग वाजा ॥ पून वरुः २

ए ग व न म नू षा नां की ना थारः आ ग रु २ श्री यं व व
स्वाहा ॥ थ न ~~ध~~ न ॥ उं य द न ना ग उ वा धि य मिः वू धु
न दे का र्णं धी व रु वं दि नं जी षे वि रा य ॥ आ क र्षे न
या या यू षं न्या स ॥ उं य द्वा र स्वा हा ॥ १ ॥ स्वन च न्दन
म ॥ स्वन उ र्हा न म ॥ स्वन यू षं न म ॥ ॥ यं वा र हा

व यू जा मु मि ॥ उं उ ला धि य मिः स्व स्व दि रु य व रि न
क म ल रु म हा न उं य द्वा र ना र्ग न म मु णे ॥ जा य ॥
उं य द्वा र द्रु नं द्रु स्वा हा ॥ धा व १०८ ॥ गायः अ रु व न
हा व ॥ उं य द्वा र द्रु नं द्रु स्वा हा ॥ नि उ ल ना र्ग द्रु नं द्रु
स्वा हा ॥ १ ॥ य जि भ न रु क ना य ॥ व क य र्धु वी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मित्रं प्रियं ॥ यय ॥ कसुवि ॥ ॐ नमो
कना गवाजा ॥ अथ गवा २० गवा नमः नमः नमः नमः नमः नमः
य ॥ अगच्छ २ धीयं वृत्रः स्वाहा ॥ अथ ॥ ॐ नमो कना
गवाजा नो ॥ वक्रवर्ध ॥ नयावर्धु किन ॥ धीवं विरा
य ॥ अथ कनया यायुष्य न्यास ॥ ॐ नमो कना गवाजा

यस्याहा ॥ ३ ॥ यथायदाययु जासु मि ॥ वक्रवर्धनम ॥
वक्रवर्धनम ॥ वक्रवर्धनम ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सदिकससिग ॥ कमलसुमहा गं ॥ नमो कना ग
नमासु ग ॥ जाय ॥ ॐ नमो कना गवाजाय नमः
स्वाहा ॥ अथ १०८ ॥ गाय ॥ अथ १०८ ॥ नमः ॥ ॐ नमो

कनागवाजाय ॥ उल्लवनि ॥ उल्लनादहं नंदं स्यादा ॥
॥ ७ ॥ उल्ल ॥ वासुकिनागः स्यामवर्धुः ॥ वीजः मल
कट ॥ वातुः नः यूपः कस्तुवि ॥ उं वासुकिनागवा
जाः ॥ अयमव १ रगठ ननूया नादिनाथयः ॥ श्री
धीयंकुं स्यादा ॥ उं वासुकिनागवाजा स्यामवर्धुः ॥ नी

नीवाद्यवांकिवः ॥ सिषे विराय ॥ श्रीकषेनया शायं
न्यास ॥ उं वासुकिनागवाजाय स्यादा ॥ ३ ॥ यंथायदा
युजास्तुति ॥ कस्तुविः चन्द्रनमः ॥ रुवीगज हानमः ॥ रुवी
नयं नमः ॥ ॥ उं उल्लापिगिः ॥ स्वस्वदिदुसस्मिने
कमलकूमदागं उं ॥ वागुनागं नमस्तुते ॥ जाय ॥

ॐ वाङ्मयीना गवाजा रहं नंदं स्यादा ॥ अत्र १०८ ॥ ग
यः अद्वयः ह्यत्र ॥ ॐ वाङ्मयीना गवाजाः ॐ रुजायी
द्वीपः ॥ उल्लालनी उल्लालना देहं नंदं स्यादा ॥ १ ॥ ॐ
ॐ ॥ महायज्ञनागः कनकवर्धुः वीजः ॥ लूः यूठि
ॐ ॥ लूः यूयः ॥ धीर्य ॥ ॐ महायज्ञनागवाजाः ॥

अथ नव २२ गवाजानां दिनाथः ॥ अगच्छ २१
ध्वं वृत्रः स्यादा ॥ अतः ॥ ॐ महायज्ञनाग विरतिः क
नकवर्धुः ॥ मिश्रललां चिन्तित विराय ॥ अकथन
या आदियुष्मास ॥ ॐ महायज्ञनागवाजाय स्यादा ॥
॥ ३ ॥ यथीयदा वयुजासुति ॥ ॥ अथ नव नंदनं ॥

यीनउक्षाययीननम ॥ यीनयूष्यंनम ॥ ९ ॥
दिय ॥ ॐ उल्लापियति ॥ सुसुदिनसुस्तिने ॥ कमलम्
महागंजं ॥ महायंननागंनभासुने ॥ जाय ॥ ॐ महा
यमनागवाजाय हूं नं हूं साहा ॥ अत्र १०२ ॥ गाय ॥ भू
द्वय ॥ तदाथ ॥ ॐ महायमनागवाजाय ॥ उल्लाप

निडलनाउ ॥ ॐ हं जायाद्वाय ॥ हूं नं हूं साहा ॥ १० ॥
॥ भू ॥ ॥ ॐ ॥ गं रवया लनागवाजा ॥ वकवर्धुं ॥ वीउ ॥ कर्क
ठन ॥ वन ॥ अगु ॥ सुवर्धुषि ॥ यूय ॥ नकि ॥ ॐ गं गं रव
या लनागवाजा ॥ भूवर्धु ॥ २२ गव नमनूष्यानां दिनाथ
य ॥ आगच्छ ॥ २धी द्यं वृत्रः ॥ साहा ॥ अत्र ॥ ॐ गं रवया ल

नागवाजानां स्वस्तीक विद्वां किम ॥ ३ ॥ मां के मा गं विराय ॥
श्री कर्षे न पा या यू सं न्यास ॥ ३ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ नागवाजा
रम्यादा ॥ ३ ॥ वक्रवन्द्य नमः ॥ वक्रकूर्म नमः ॥ वक्रयू
सं नमः ॥ यं धारुदायू जासुमि ॥ ह कि ॥ धूय ॥ दीय ॥
ॐ उला विरिणि ॥ स्वस्ति दिङ्मस्ति न ॥ कमलस्म

दागि ॐ श्री गणेशाय नमः सुम ॥ जाय ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः
गवाजाय नमः ॥ गाय ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री
गणेशाय नमः ॥ गवाजाय नमः ॥ गाय ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
जाया दीय ॥ नमः ॥ ॥ नमः ॥ कर्कोटक
नाग ॥ धेव लवधु ॥ वीज ॥ यूल ॥ धातु ॥ श्यायन ॥

धूर ॥ गुरु त्रि ॥ ॐ क क्रीं ठ क ना ग वा जा ॥ अ व त ल २ ८
ग व न्म नू षा ना दि गा थ र ॥ आ ग क २ धी धं व नू ॥ सा दा ॥
॥ श्वान ॥ ॐ क क्रीं ठ क ना ग वा जा नां ॥ धं व ल व र्ण ॥ वि
प्र सा दि न ॥ नि ष वि रा य ॥ आ क र्षे न ॥ या या यू षं न्या स ॥
ॐ क क्रीं ठ का र सा दा ॥ ३ ॥ स्व ग व न्द नं न म ॥ स्व ग ज

ज्ञान म ॥ स्व ग यू षं न म ॥ यू जा वा सा ॥ रु क्रि ॥ धूर ॥ दी
य ॥ मु ति ॥ ॐ ज ला वि य ति ॥ स्व दि द्म स क्रि गा ॥ क म ल क
म हा ग उं ॥ क क्रीं ठ का र न म ॥ मु ग ॥ जा य ॥ ॐ क क्रीं ठ
क ना ग वा जा रा द्म नं द्म सा दा ॥ ३ ॥ धी व १०८ ॥ गार ॥
पू र्ण न द्मा ॥ ॐ क क्रीं ठ क ना ग वा जा नां ॥ उ न

अवनिउलनादः ॥ ० ॥ रुजायादीयः ॥ दूनदू ॥ म्हा ॥
॥ ८ ॥ वायूय ॥ कूलीकनागः ॥ वंक्रमवर्धु ॥ वीजः ॥
वाजानः ॥ अगुः ॥ कजलडः ॥ धूपः ॥ गंधकः ॥ ॐ कूलीकना
गवाजाः ॥ अवगल १२ गवनामनूषा नांदिताथयः
अगच्छ १ धीयं वृत्रहारा ॥ धनः ॥ अतः ॥ ॐ कूलीक

नागवाजानं ॥ वंक्रमवर्धुः ॥ अद्वयव्याकिनः ॥ निषेधि
राय ॥ आकर्षतया यायूष्यनाम ॥ ॐ कूलीकनागवाजा
रहारा ॥ १ ॥ वंक्रमवर्धुनमः ॥ विधिगउहातमः ॥ वि
धिगयूष्यनमः ॥ यूजाः ॥ वासासुनि ॥ रुक्मिः ॥ धूपः ॥ दिपः ॥
सुनि ॥ ॐ उलाधियाति ॥ म्हादिद्रुमसिगा ॥ कमलरु

2648 I

१ जप जह गे विधि॥
२ जप जह विधि॥
कडागलह



ॐ नमः शीवजसुखार ॥ उलउरुमाह ॥ उथवि
थं ॥ दरकाव ॥ थय ॥ धूनकाव ॥ ॥ धीसुयोद्य ॥
यंचगय ॥ धन ॥ काय ॥ विय ॥ यष ॥ राउनु ॥
गुनमकुल ॥ वंषववि ॥ मकुलविमउने ॥ सिंधू
लयुजा ॥ लरुसकाय ॥ विममाधि ॥ कशमिवा

सन ॥ ग ॥ धास ॥ मरुकाव ॥ सव्यन ॥ धीलमि ॥
मन ॥ अलिनि ॥ उरुउरुधी ॥ नागय ॥ धूमियुजा ॥
धूनकाव ॥ नागदिगुग्रीशर ॥ ॐ नमः शी
वजसुखार ॥ ॐ नमः शीवजवद्रुधायनम ॥ ० ॥
ॐ समनारुवनुमा ॥ वृद्धाशुलासादिद्रुसहिना ॥

ॐ देहसूटिकं संकासं ॥ भूतनामधियायुः ॥ अत्रमनि
कला वश्य ॥ वदूधा यतमासुगे ॥ ॥ उत नन्दनवृधान
त्या ॥ सवना गसमं विगः ॥ सफा गरु धायू का ॥ यवना
समवृयकं ॥ सवसलुजलनि वय ॥ वदूधा दितमा
सुगे ॥ धन ॥ धन ॥ उत रात्र शुद्धासवे प्रमा शु रा

वशुद्धा ॥ २५० ॥ शुनो गान वजस रा वामका ॥ ॥
ददिकि दिकि न ॥ कावन वन्दमधुल ॥ ॥ वामरुक्मि
न ॥ आकावन सूर्यमधुल ॥ उवजय प्रादुक्का ॥ उ
॥ ॥ धीवदूधा सका ॥ उवृमां डिं रवं ॥ उलां मायां
गां ॥ ॥ मि के वन्या ॥ गगना गायक वदु २ मजा

हं हं हं हं ॥ उं हं ॥ स न सि ॥ उं हं ॥ उं हं ॥ उं हं ॥ क
हं हं ॥ उं हं ॥ वं हं हं ॥ उं हं ॥ नं हं हं ॥ उं हं ॥ मं हं ॥
उं हं ॥ कं हं ॥ उं हं ॥ हं हं ॥ उं हं ॥ नं हं ॥ उं हं ॥ गं हं ॥
उं हं ॥ या हं ॥ उं हं ॥ नि हं ॥ ॐ नि ॥ गं हं ॥ ॥
उं हं ॥ ॥ वि का रा धि स्त न ॥ उं हं ॥ हं हं ॥ कं ॥ उं हं

हं हं ॥ हं हं ॥ उं हं ॥ हं हं ॥ यं हं ॥ उं हं ॥ हं हं ॥ गं हं ॥
उं हं ॥ हं हं ॥ यं हं ॥ उं हं ॥ हं हं ॥ दी हं ॥ उं हं ॥ हं हं ॥ वं हं ॥
उं हं ॥ हं हं ॥ मं हं ॥ नि हं ॥ ॥ गं हं ॥ गं हं ॥
का हं ॥ ॥ उं हं ॥ नि हं ॥ ॐ हं ॥ हं हं ॥ का हं ॥ मं हं ॥
यं हं ॥ हं हं ॥ वि हं ॥ नि हं ॥ मं हं ॥ गं हं ॥ मं हं ॥ यं हं ॥ हं हं

कात्रनिष्ठा नन दक्षदि गंधकात्रयम् ॥ उं भद्र निव
जि रव वज्र वधे ॥ उं सवेयाय विद्या शेट नमा प्रायः
दव रिक्त दवम नूखा सुत्रा न्यादि नय नय नारायणानः
यज्यन् ॥ नदि द्दु सवेयाय दवज्जानिके रात्रि रित्वा ॥ ॥
मेगी के नृ धमूदि नाय द्वा सवे सवे समधी रत्ना स

द्द दि हन वं कात्र वीज य वि ना मि ना वीर्य द्वा वरु ले द
दक्षदि गन नो ना के व रुक्ति न सवे दव नंद द्वा गनं
यत्र मि नां कषय नाग रुव नां गग दक्ष जीव वृद्ध
नाग राजां सय विवा नान द्वा आ कषय न् ॥ उं वजां
कृगजः ॥ ॥ उं वज्र याग द्दु ॥ उं वज्र रुद्र वं ॥ उं वजां

वमहाः॥यवसमस्तकारः॥धीवद्रुधनागग्राजारः॥
सयत्रिदात्रारः॥यादाघेभ्रवमर्धः॥थादुर्धयुगिच्छ
स्यादा॥ॐआः॥येथावनारुद्रः॥वज्रवद्रुधायः॥वज्र
यूषंयगिच्छस्यादा॥ॐआः॥वंवीजाएववद्रुधनाग
ग्राजारः॥वज्रयूषंयगिच्छस्यादा॥ॐआः॥

कि२

धनागग्राजारः॥वज्रयूषंयगिच्छस्यादा॥
वंवात्सनागग्राजारस्यादा॥ॐनंगद्रुकनागग्राजा
रस्यादा॥ॐकंककोटकनागग्राजारस्यादा॥ॐयंय
ननागग्राजारस्यादा॥ॐमंमहापन्ननागग्राजारस्या
दा॥ॐदं दं नृनंॐनागग्राजारस्यादा॥ॐकंकूलिः॥

क नाग राजाय स्वाहा ॥ उं गं गं गं नाग राजाय
स्वाहा ॥ उं ॐ ॐ नु नाग राजाय स्वाहा ॥ उं वं वं वं
नाग राजाय स्वाहा ॥ उं हूं हूं हूं नाग राजाय स्वाहा ॥
॥ ॥ यन्त्रिमहात्राय हरि कायामक्ष ॥ उं गं गं गं ना
ग राजाय स्वाहा ॥ उं सिं सिं वृ नाग राजाय स्वाहा ॥ उं जूं जूं

सूत्र नाग राजाय स्वाहा ॥ उं वं वं नु नाग राजाय स्वाहा ॥
उं गं गं नाग राजाय स्वाहा ॥ उं जूं जूं निल नाग राजा
य स्वाहा ॥ उं जूं जूं नक्त नाग राजाय स्वाहा ॥ उं सं सं सं
नाग राजा स्वाहा ॥ उं जूं जूं नत्रा नाग राजाय स्वाहा ॥ उं न
द द नाग राजाय स्वाहा ॥ उं सं सं सं नु नाग राजाय स्वाहा ॥

उं वं वं वं ध नाग गजकार्य ह्य ह्य ॥ यं याय ह्य वयू जा ग ह्य
 गुम् ॥ ॥ उं वं गी ग नाग वल्लु ह्य लक्ष्मि नैत्रय ॥
 वल्लय लो वर ॥ वृष्य ऊ ला शय नै ॥ गज स उ ग क वयू
 कु व धी श्य ॥ वृष्य ह्य मा व नि ह्य नै ॥ ह न धी व वृ ह्य न
 मा मि ॥ ॥ उं वं का त्रि न ह्य दि शा ग ॥ यं का प्र धी ॥

वायुमधुलं॥ गदयत्रिलंकाप्रदशृगिमधुलं॥ गदय
 त्रिवंकाप्रदशृगिमधुलं॥ गदयत्रिलंकाप्रदशृगिम
 धुलं॥ उं॥ काप्रदशृगिमधुलं॥ ययुत्रय॥ अष्टशृगिम
 धुलं॥ गदयत्रिलंकाप्रदशृगिमधुलं॥ कृष्टिंका
 प्रदशृगिमधुलं॥ गदयत्रिलंकाप्रदशृगिमधुलं॥

धुं ॥ मानस्य स्य कुरु धमकादिगं ॥ दक्षिण एतज्जनस्य रयं
वामस्य एतज्जन ॥ एतस्य रयस्य लिंगगनागयागिधत्रं ॥ ललि
तास्य नस्य ॥ स्यादस्य नस्य रयस्य ॥ ननु यद्वेदलक्षणं
न तागनागजाती लवधुं ॥ गीरु धमकादिगं ॥ दक्षि
॥ धवत्रदं ॥ वामदिवालिगिगं ॥ यन्निमदत्र ॥

गदकातागनागजावकावधुं ॥ यकुरु धमकादिगं ॥
दक्षि ॥ ध ॥ पूरयं ॥ वामदिवालिगिगं ॥ उक्तप्रवास
किनागनागजास्यामवधुं ॥ नवधुं धमकादिगं ॥ दक्षि
ननारयं ॥ वामदिवालिगिगं ॥ ०० ॥ मनसदापुन
शुक्लवधुं ॥ स्य कुरु धमकादिगं ॥ दक्षि ॥ ध नारयं ॥

वाभदियात्रिजिगं ॥ अ० ग्रामसमतात्रनागत्राजात्र
कवधु० सफरुनाच्छादिगं० दक्षि० धजूरयं० वा
भदियात्रिजिगं ॥ नेत्रयककोटके० नीलवधु०
सफरु० छादिगं० दक्षि० ननाहरयं० वाभदियात्रि
जिगं ॥ वायव्यकुलिकनागत्राजाकवधुवधु० सफ

रु० छादिगं० दक्षि० ननाहरयं० वाभदियात्रिजिगं०
वडापडिकाया० युवायदीया ॥ गज० धनागत्राजा
रु० वधु० वन्दयशनागत्राजा० शुक्रवधु० सूर्य
यशनागत्राजावधु० शनवाद्नागत्राजा० ह्या
मवधु० ॥ मूठिदिक्षीनागत्राजा० यीगवधु० ॥ मधिय

हा नाग राजा दुबुदधु ॥ ०० ॥ नाग राजा ॥ गव
 धु ॥ वर नाग राजा वरु वधु ॥ ह्माट नाग राजा ॥
 ह्यामवधु ॥ गंग नाग राजा वरु वधु ॥ सिंधू नाग
 राजा ॥ दुबुदधु ॥ अरु ॥ धनाग राजा वरु वधु ॥ वरु
 नाग राजा पीन वधु ॥ जीना नाग राजा ॥ ह्यामवधु ॥

श्री नारायण राजा. स्वामि वर्य. अनन्त नारायण राजा.
 वर्य. अरुण नारायण राजा. स्वामि वर्य. स
 नारायण राजा. यीश वर्य. स नारायण
 राजा. वर्य. अनन्त नारायण राजा. सिन यीश वर्य.
 नारायण राजा. यीश वर्य. समुद्र नारायण

गगनाऽऽत्रकस्यामवर्ध ॥ वद (ध) नागगजाऽऽ
मभाग ॥ नमवर्धु विंशतिनागगजाकत्रसंयुटा
ऊवि ॥ विदध क्वादिन ॥ पंचनथगगादिगवर्ध
सहस्रमर्कधकारनियारवति ॥ हनसहस्रमय
सहस्रकलालिकंयऽऽ ॥ ॥ अकषनयाया

दियुष्यास ॥ ॥ वदधयस्यह ॥ अनंत ॥ यम
नेकके ॥ वासकी ॥ महायम ॥ संययाव ॥ ककाटक ॥
कूबीकनागगजायस्यह ॥ गुणि ॥ वदधल्लनवन
रं ॥ अनंतकारनिरं ॥ यमययावस्यकथ ॥ वकय
मुशगकके ॥ वासकि ह्यामवर्धुके ॥ महायमनथ

एवं धववे धं वण लं च ॥ का वं क क्षी ट कं च ॥ कु लिक
नी ल व धो रं ॥ ग वि वं व के वि मि नं ॥ दि जि दि द्दि स्मि
मा ना ग ॥ न व ना गं न मा रु गे ॥ ॥ थ न ॥ म वू ट ॥
श व ना ॥ अ रि सि वि गु मां ॥ सर्व वृ द्ध वृ ज म धि म
ह म वृ टं य मि द्ध खा हा ॥ अ या धि य मि खा हा ॥ व जा

धिय मि त्या ॥ अ मू ना मा वा र्थ र्हे ॥ आ क व न यू र्थं ग्या म ॥
कु मि ॥ यं च वृ द्ध या दि ॥ ॥ अ था ग सं य व षा मि का
य म धु ल मू र्क मं ॥ वि ष्ण का य म मू र्क मं ॥ व वृ द्ध म द
य वि नू र्क ॥ र्हे ॥ शि ल सि ॥ हों उ र्ध म यां ॥ हिं क र्धु ड
य ॥ ही ॥ व र्क ड य ॥ र्हे ना षा र्थ य ॥ र्हे मू र्क ॥

रुं० के० ६८ ॥ हे० हृदय ॥ ह्रीं० नाश ॥ ह्रीं० गुञ्ज ॥ रुं० वा
दथा ॥ रुं० सिखायां ॥ ॥ यं प्रायदात्रयूजा ॥ रुं० नि ॥
थन० जाय ॥ ॐ आ० वं वज्र ववृष्टां रुं० हृद ॥ अ० ले० ०८ ॥
थनवरीविय ॥ ॥ यं काप्रधवायूमधु ले० ले० काप्र
धञ्जुगिमधु ले० वं० का ले० धायायमधु ले० ॥ आ० का

प्रधञ्जुवधुं० संजनविधिय ॥ गत्यविधमधु धाजिग
मधु ले० यं० यामनयं० यामध ॥ यं० यल्लक्षणायात्रम
नागच्छन ॥ यगाकयूक ॥ यलिं० यवयग ॥ कि० ले
वनीटकथगुं० अ० नन ॥ वासुकि ॥ गच्छक ॥ कक्षी
टक ॥ श्री० स्वयं० ले० ॥ क० प्रिय ॥ दवमिमदादवमि

सामंजीवी ॥ दधुधत्र ॥ महादधुधत्र ॥ अयत्रात्र ॥
दत्र २ न ॥ अयत्र न ॥ सागत्रमहासागत्र श्रीकाति ॥
महाकाति ॥ रदादिकमहा रदादिक ॥ आगद्व २
शोशानागमधियनय ॥ रद्व २ रद्व साहा ॥ रंशाय
हात्रयुजासुति ॥ ॥ उधम्यायदि ॥ ०० तिना

गद्व मुत्रिसमाय ॥ ०० ॥ धन ॥ केसयुजा ॥ ॥
गद्वस ॥ महाकात्र ॥ सगत्र ॥ श्रीलम्भि ॥ उद्व उद्व
नि ॥ नागया ॥ धूमियुजा धूनकाडा ॥ धनउरुवर ॥
धन ॥ केगवस ॥ गंरु लंरु नहाय ॥ ॥ गभाउ
लवृधु विमान ॥ उआ ॥ रव धुभाद्वद्वद्वद्वसाहा ॥

संज्ञा दक्षे नः ॥ संख लखन हार ॥ उंख धुवा दूदूदू
ठ ह्या हा ॥ यंयं वी दिनर ॥ उंख रंख ले हू जी ले वं न ॥
वउ ना मि ह्य न ॥ उं धा वउ स व आ ॥ उं म द नी य जी
र व वउ व ध हू ॥ वउ व ध या र ॥ धनः वू आ स न या
य ॥ ॐ म म हा वू आ दि या य वृ नाः वृ न द व नाः वृ

वः धर्मः संयुक्तः ॥ वृथि या द वा ग राः ॥ उउ मान म
सर्व विद्या य सा नि र्थः ॥ वृ न द र वू आ स न सा न्ग व रू ॥
॥ ॥ धनः ॥ ॐ न्या दि वा क या व रू जा ॥ आ क व न य रू ना
स ॥ वा ह्याः सु मि ॥ ॐ न्या द थाम हा वी वा ॥ या दि ॥ व वी ॥
ॐ न्या मिः य म न य य व वू आ वा य थ रू थ वृ व व ॐ

उवमन्युयिथादि ॥ ॐ दंवात्रंनेयशादिदं लाकपा
नायनेविचनमं ॥ थनगिथलंरव ॥ कनवसथापन ॥ कत्र
य ॥ मयाम्वाकन ॥ शशयवृष्ठादथा ॥ अष्टवृलनागाउ
लाधियगि ॥ सवमथागनसयन ॥ मेगिथिकुन ॥ कत्र
ना ॥ उपादार ॥ ॐ रुजांवाद्रोप ॥ उलक्षलागारं ॥

मगच्छ २ कामाथं ॥ यूनजल निडलनाद ॥ मगच्छ २
रुष्टवस्य ॥ शकत्रयक ॥ कनत्रया ॥ गत्रथनकमा
त्र ॥ रंरव ॥ ॥ थन ॥ क्षन ॥ गनमयमकुलमथ ॥ वं
कालेध ॥ पन्नमालय ॥ गद्रयत्रिपंकात्रारदं ॥ वंवरुष्ट
रुपंनकमूर्यं ॥ द्विरुक्तं ॥ शुक्रदधूं ॥ सफरुनालं

रुगं ॥ स्फुटं हि समाधमा ॥ यूवेदय ॥ अननक ना ग ग जा
नीलवर्धु ॥ गिरु ना कादिनं ॥ द कि न दय ॥ य द्वा ना
ग ग जा ॥ अ क व धु ॥ य व रु ना कादिनं ॥ य जि भ
य ॥ ग क के ना ग ग जा ॥ व क व धु ॥ न व रु ना
कादिनं ॥ उ नू व दय ॥ वा सु कि ना ग ग जा ॥ सा म

व धु ॥ स फ रु ना कादिनं ॥ ॐ ॥ अ ॥ दय ॥ महा य द
ना ग ग जा ॥ यी न व धु ॥ स फ रु ना कादिनं ॥ अ ॥ द
य ॥ श्री र व पा न ना ग ग जा ॥ व क व धु ॥ स फ रु ना का
दिनं ॥ नी र य दय ॥ क क्री ट क ना ग ग जा ॥ व व व
व धु ॥ स फ रु ना ग ग जा ॥ वा य य दय ॥ कू लि क ना

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2648 I
1015-1016

21.